फ़ोन: **011-23062715**

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

अखिल भारतीय असंगठित कामगार और कर्मचारी कांग्रेस (KKC)

डॉ. उदित राज
राष्ट्रीय अध्यक्ष
संसद सदस्य (2014-19)

24, **अकबर रोड**,
नई दिल्ली -110011

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2022

अखिल भारतीय असंगठित कामगार और कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज ने चंडीगढ़ विद्युत विभाग के निजीकरण के कदम की कड़ी निंदा की। मोदी सरकार कर्मचारियों की रोजी रोटी ही नहीं छीन रही बल्कि सरकारी संपत्ति भी लुटा रही है। चंडीगढ़ बिजली विभाग बिजली न केवल सस्ती दर पर उपलब्ध करा रही है बल्कि मुनाफा भी कमा रहा है।

डॉ उदित राज ने आगे कहा कि सरकार सस्ती पेयजल, कृषि और स्वास्थ्य को एक बुनियादी आवश्यकता के रूप में वकालत करती है, इसमें बिजली को तत्काल शामिल करने की आवश्यकता है। यदि बिजली का निजीकरण किया जाता है, तो यह आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाएगी। कॉरपोरेट अपने फायदे के लिए आम आदमी का किसी भी हद तक शोषण करेंगे। भारत में जिन राज्यों में बिजली का निजीकरण किया गया है, वहां दरें अत्यधिक कीमतों पर पहुंच गई हैं। पिछले 5 वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये का लाभ कमाने के बावजूद, चंडीगढ़

निवास:192 - एमपी फ्लैट्स, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली -110001मोबाइल : 9899766882,
011-23092429 ईमेल : kkcchairman@gmail.com

प्रशासन और सरकार को लगता है कि चंडीगढ़ बिजली विभाग का निजीकरण करने की आवश्यकता है, जो चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली प्रदान कर रहा है, यह निर्णय काफी चौंकाने वाला है और स्पष्ट रूप से इसके पीछे कुछ इरादे हैं। इतना ही नहीं, चंडीगढ़ बिजली विभाग का अधिग्रहण करने वाली निजी कंपनी भारत के सबसे महंगे बिजली आपूर्तिकर्ताओं में से एक है।

चंडीगढ़ बिजली विभाग के बारे में चौंकाने वाले तथ्य:

1. जब बिजली विभाग की स्थापना हुई थी, वहां 1,10,000 कनेक्शन और 2,200 कर्मचारी थे। आज विभाग में 2,50,000 कनेक्शन हैं और 600 स्थायी कर्मचारी और 450 ठेका कर्मचारी हैं जो अनुबंध के आधार पर काम करते हैं।
2. पिछले 5 वर्षों में कर्मचारियों की घटती संख्या के बावजूद, चंडीगढ़ बिजली विभाग ने भारत के सभी केंद्र शासित प्रदेशों में "सर्वश्रेष्ठ उपयोगिता" का पुरस्कार जीता है।
3. पिछले 5 साल में बिजली के दाम नहीं बढ़ाने और देश में सबसे सस्ती बिजली मुहैया कराने के बावजूद चंडीगढ़ बिजली विभाग ने 1,000 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है।
4. चंडीगढ़ बिजली विभाग के प्लांट और मशीनरी की कीमत 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये है। सरकार इसको 817 करोड़ रुपये मूंगफली की कीमत पर बेचने का प्रस्ताव कर रही है, वे जमीन को एक रुपये प्रति माह के हिसाब से पट्टे पर दे रहे हैं। यह सार्वजनिक संपत्ति की दिनदहाड़े लूट है।

निवास:192 - एमपी फ्लैट्स, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली -110001मोबाइल : 9899766882, 011-23092429 ईमेल : kkcchairman@gmail.com

5. चंडीगढ़ बिजली विभाग का अधिग्रहण करने वाली निजी कंपनी देश की सबसे महंगी बिजली आपूर्तिकर्ता है और अत्यधिक कीमत वसूल करेगी।

निवास:192 - एमपी फ्लैट्स, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली -110001मोबाइल : 9899766882, 011-23092429 ईमेल : kkcchairman@gmail.com

स्लैब दर

चंडीगढ़ और कलकत्ता कंपनी के दरो में अंतर

चंडीगढ़ बिजली विभाग के रहिवासी दर	**कलकत्ता कंपनी के रहिवासी दर**
0-300 -2.5 रुपये	पहले 25 यूनिट - 4.89 रुपये अगले 35 यूनिट-5.54 रुपये अगले 40 यूनिट-6.41 रुपये अगले 50 यूनिट-7.16 रुपये
301-800 यूनिट- 4.25 रुपये	अगले 150 यूनिट-7.33 रुपये
800 से यूनिट-4.65 रुपये	300 से ज्यादा यूनिट-8.92
विभाग के द्विमाषिक दर	कंपनी का प्रीपेड दर

यह भी समझा जा सकता है कि सरकार ने चंडीगढ़ बिजली विभाग को निजी कॉरपोरेट्स को बेचकर बिजली अधिनियम 2003 का उल्लंघन किया है। प्रशासन

निवास:192 - एमपी फ्लैट्स, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली - 110001मोबाइल : 9899766882, 011-23092429 ईमेल : kkcchairman@gmail.com

द्वारा निजीकरण के इस कदम से आम नागरिक को महंगे बिजली के बिल भरने होंगे और बिजली गरीब लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगा । चंडीगढ़ के लोगों को चंडीगढ़ प्रशासन और सरकार के हाथों गुलामी की ओर धकेला जा रहा है, इसका चंडीगढ़ के निवासियों को कड़ा विरोध करने की जरूरत है। प्रशासन द्वारा निजीकरण के निर्णय के विरोध में विद्युत विभाग के कर्मचारी 22 फरवरी से 3 दिन (72 घंटे) के लिए हड़ताल पर चले गए। चंडीगढ़ के नागरिकों ने 15 फरवरी को सेक्टर 17 में परेड ग्राउंड के पास यूटी पॉवरमैन यूनियन सहित चंडीगढ़ के धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के सहयोग से एक विशाल रैली का आयोजन किया है। चंडीगढ़ के राज्यपाल और प्रशासक को एक ज्ञापन सौंपा गया।

यदि चंडीगढ़ विद्युत विभाग निजीकरण रुका नहीं, कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी। डॉ उदित राज ने पार्टी नेतृत्व से संसद के आगामी सत्र में इसे उठाने का आग्रह किया है।

(सोनिया राणा)

डॉ. उदित राज के मीडिया समन्वयक

9999211257

निवास:192 - एमपी फ्लैट्स, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली -110001मोबाइल : 9899766882, 011-23092429 ईमेल : kkcchairman@gmail.com